RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-16 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 25 अप्रैल से 01 मई 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

हमारा देश अब पूरी दुनिया को बदल सकता है..- केरल मिशन पर पीएम मोदी

कोच्चि। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई मिशन वाइब्रेंट तब बनता है जब उसके पीछे वाइब्रेंट युथ की एनर्जी लगती है और जब बात केरल की होती है तो इतना भव्य और सुंदर है कि यहां आकर ऊर्जा और बढ़ जाती है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 दिनों के केरल दौरे पर हैं. सोमवार को केरल के कोच्चि में उन्होंने एक मेगा रोड शो में हिस्सा लिया. प्रधानमंत्री भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रोड शो में पहुंचे थे. सड़क के दोनों ही तरफ प्रधानमंत्री को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी थी. इस दौरान प्रधानमंत्री हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए नजर आए. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं और समर्थकों सहित हजारों की संख्या में लोग आईएनएस गरुड़ नौसैनिक हवाई अड्डे से एक कार्यक्रम स्थल तक उनके रोड शो के लगभग दो किलोमीटर लंबे मार्ग के दोनों ओर कतारों में खड़े थे. मोदी शाम पांच बजे के बाद नौसेना वायु स्टेशन पर उतरे और शाम करीब पांच बजकर 40 मिनट पर वहां से अपना रोड शो शुरू किया.

केरल की पारंपरिक पोशाक पहने मोदी ने शुरू में पैदल रोड शो किया और सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया. राज्य के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे लोग मोदी के स्वागत के लिए घंटों पहले से ही सड़क के दोनों ओर कतार में खड़े थे और उन्होंने प्रधानमंत्री पर फूल बरसाए.

'युवम 2023 कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल ही में उन्होंने केरल के एक 99 साल के युवा से मुलाकात की थी. वह एक प्रसिद्ध गांधीवादी श्री वी. पी. अप्पुकुट्टा पोडुवल हैं, जिन्हें पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. हमें केरल की हर प्रतिभा से सीखने को मिलता है. पीएम ने अपने संबोधन में नंबी नारायणन और आदि शंकराचार्य को भी याद किया. उन्होंने कहा कि जब विकृतियों के खिलाफ समाज को जागरूक करने की जरूरत हुई तो केरल से नारायण गुरू जैसे सुधारक आए. प्रधानमंत्री ने कहा कि कोई मिशन वाइब्रेंट तब बनता है जब उसके पीछे वाइब्रेंट युथ की एनर्जी लगती है और जब बात केरल की होती है तो इतना भव्य और सुंदर है कि यहां आकर ऊर्जा और बढ़ जाती है.

भारत वो देश है जिसके पास युवा शक्ति का भरपूर भंडार है

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हमारा देश अमृतकाल की यात्रा शुरू कर रहा है. इ्वाइुद्व के जरिए केरल के युवाओं का यह संकल्प बहुत अहम है. मैं आप सभी को इस भव्य आयोजन के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं. पीएम मोदी ने कहा कि आज हर कोई ये कह रहा है कि 21वीं सदी भारत की सदी है. भारत वो देश है जिसके पास युवा शक्ति का भरपूर भंडार है. पहले सोच थी की भारत बदलेगा ही नहीं लेकिन अब सोच है कि हमारा ये देश अब पूरी दुनिया को बदल सकता है.

जब देश नए भारत का संकल्प लेकर कदम बढ़ा रहा है, आज जब भारत बड़ी वैश्विक जिम्मेदारियां निभा रहा है, तब देश और केरल का युवा भारत के इस विकास यात्रा को अपना नेतृत्व देने के लिए आगे आया है.

केरल के युवाओं के सहयोग से दुनिया में भारत की छवि अच्छी बन रही है

पीएम ने कहा कि केरल के लोगों का वैश्विक गतिविधियों के प्रति रुझान अद्भुत है. केरल में होने वाली जी20 की बैठकों के लिए मैं केरल के युवाओं का आभार व्यक्त करता हूं, क्योंकि आपके सहयोग के कारण दुनिया में भारत की छवि बनने में बहुत मदद मिली है.

बीजेपी ने हर सेक्टर में युवाओं को दिया मौका पहले की सरकारों ने हर सेक्टर में घोटाले किए वहीं भाजपा की सरकार हर सेक्टर में युवाओं के लिए नए अवसर बना रही है. भाजपा की सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान चलाकर युवाओं को नए अवसर दिए हैं. भाजपा की सरकार ने वोकल फॉर लोकल के मंत्र से स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा दिया है.

BJP और देश के युवा एक ही वेवलेंथ और विजन साझा करते हैं

केरल में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भाजपा और देश के युवा एक ही वेवलेंथ और विजन साझा करते हैं. हम सुधार लाते हैं और युवा परिणाम लाते हैं. यह सरकार और युवाओं के बीच एक मजबूत साझेदारी है. भाजपा ने इस युग को युवा नेतृत्व वाले विकास का युग बनाया है.

मायावती के बयान पर आनंद मोहन का पलटवार-कहा- राजनीति में आलोचना-प्रशंसा झेलनी पड़ती है; सबको बोलने की आजादी

आनंद मोहन ने कहा कि आलोचना राजनीति का हिस्सा है। यह लोकतंत्र की खूबसूरती है। हमारे पुरखों ने बड़ी कुर्बानी देकर इस देश में जनतंत्र की बहाली की है। आजादी और जनतंत्र के लिए कई पीढ़ियां हमारी खप गई है।

दिल्ली। पूर्व सांसद आनंद मोहन ने यूपी की पूर्व सीएम मायावती के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि राजनीति में आलोचना और प्रशंसा झेलनी पड़ती है। आलोचना से हम छोटे नहीं हो जाएंगे। प्रशंसा से महान नहीं हो जाएंगे। बोलने की आजादी सबको है। सोमवार को बेटे की सगाई की तैयारियों के बीच भास्कर के सवाल पर पूर्व सांसद ने ये बातें कहीं।

आनंद मोहन की रिहाई की तैयारी की चर्चा है। रिहाई की चर्चा पर 2 दिनों पहले यूपी की पूर्व सीएम मायावती ने तंज किया और कहा कि नीतीश सरकार दलित विरोधी है। सरकार से पुनर्विचार करने की मांग की थी। सोमवार को बेटे की सगाई की तैयारियों के बीच भास्कर के सवाल पर पूर्व सांसद ने ये बातें कहीं।

संजय राउत के बाद अब शरद पवार के बयान ने मचाई हलचल

महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे-उद्धव ठाकरे गुट के बीच लंबे सियासी ड्रामे के बाद एक बार फिर घमासान शुरू हो गया है. महाराष्ट्र के तमाम बड़े नेताओं की तरफ से जो बयान सामने आ रहे हैं, उनसे अंदाजा लगाया जा रहा है कि राज्य में आने वाले दिनों में कुछ बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है. संजय राउत के बाद अब एनसीपी सुप्रिमो शरद पवार की तरफ से जो बयान सामने आया है, उसने महाविकास अघाड़ी गठबंधन में हलचल मचा दी है. शरद पवार ने एमवीए गठबंधन को लेकर कहा कि ये गठबंधन रहेगा या नहीं इसे लेकर कुछ नहीं कहा जा सकता है.

अमृतपाल गिरफ्तार दोहराना चाहता था अजनाला कांड?

पत्नी पर एक्शन देखकर पड़ा कमजोर!

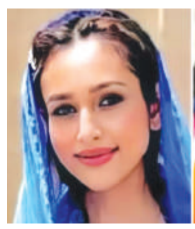

खालिस्तान समर्थक भगोड़े अमृतपाल और पंजाब पुलिस के बीच चल रही आंख-मिचौली आखिरकार खत्म हुई. उसे पकड़ लिया गया. अमृतपाल की गिरफ्तारी से पंजाब में कानून व्यवस्था न बिगड़े इसलिए अमृतपाल को सीधे असम के डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया. यहां स्पेशल सेल के अंदर उसे रखा गया है.

अमृतपाल की गिरफ्तारी के बाद कई ऐसे सवाल उठ खड़े हुए हैं, जिनका जवाब सामने आना अभी बाकी है. जैसे, आखिर ऐसा क्या हुआ कि 36 दिन से पुलिस को चकमा दे रहा अमृतपाल अचानक अरेस्ट हो गया. अमृतपाल अचानक इतना कमजोर कैसे पड़ गया, पप्पलप्रीत से अलग होने के बाद उसकी मदद किसने की और रविवार सुबह गुरुद्वारा पहुंचने से पहले उसने शनिवार की रात कहां बिताई?

पप्पलप्रीत की गिरफ्तारी से लगा झटका

दरअसल, अमृतपाल के कमजोर होने का सिलसिला उसके सबसे खास और भरोसेमंद साथी पप्पलप्रीत की गिरफ्तारी के साथ ही शुरू हो गया था. 18 मार्च को पंजाब पुलिस ने अमृतपाल और उसके समर्थकों के खिलाफ क्रैकडाउन शुरू किया था. इसके बाद फरारी के दौरान 28 मार्च तक अमृतपाल और पप्पलप्रीत साथ ही थे. 28 मार्च को दोनों एक-दूसरे से अलग हो गए. 10 अप्रैल को पप्पलप्रीत पंजाब पुलिस के हत्थे चढ़ गया.

पत्नी को फ्लाइट में चढ़ने से रोका गया

अमृतपाल जिस बात को लेकर सबसे ज्यादा परेशान था, वह यह थी कि कहीं पुलिस उसकी पत्नी किरणदीप कौर और उसके परिवार के खिलाफ सख्त एक्शन लेना ना शुरू कर दे. इसकी बानगी नजर भी आई थी, जब 20 अप्रैल को लंदन की फ्लाइट में चढ़ने जा रही अमृतपाल की पत्नी किरणदीप को रोक दिया गया था. पुलिस ने उसके पूरे परिवार को सर्विलांस पर रखा हुआ था।

आखिर कहां गए शाइस्ता और गुड्डू मुस्लिम? चकिया के दफ्तर की जांच, मिला खून से सना चाकू- चूड़ियां

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड का मुख्य आरोपी गुड्डू मुस्लिम कहां है? शाइस्ता परवीन कहां गई? यह सवाल अब हर तरफ पूछा जाने लगा है। गुड्डू मुस्लिम को लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही है। दावा यह भी किया जाने लगा है कि शाइस्ता परवीन भी गुड्डू मुस्लिम के कब्जे में है।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 24 फरवरी को हुई वकील उमेश पाल की हत्या मामले में एसआईटी की जांच तेज हुई है। हत्याकांड के मुख्य आरोपी असद अहमद समेत चार आरोपियों का पुलिस एनकाउंटर कर चुकी है। वहीं, अब सबसे अधिक तलाश गुड्डू मुस्लिम और शाइस्ता परवीन की हो रही है। अतीक अहमद और अशरफ हत्याकांड के बाद इन दोनों के पास गैंग के काले चिट्ठे होने की बात कही जा रही है। ऐसे में दोनों के गायब होने को लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि गुड्डू मुस्लिम और शाइस्ता परवीन एक स्थान पर छिपे हो सकते हैं। यह भी कहा जा रहा है कि गुड्डू मुस्लिम अतीक की हत्या के बाद गैंग पर कब्जा जमाने के लिए शाइस्ता को अपने कब्जे में रख सकता है। ऐसे में चकिया वाले दफ्तर में मिले खून के धब्बे, चाकू और दुपट्टे ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

सतर्कता पर सवाल

सरकारी धन के दुरुपयोग की एक लंबी शृंखला है।

जनतंत्र में लोकसेवकों की जिम्मेदारी सबसे अहम मानी जाती है। इसलिए कि यही विधायिका के निर्णयों को क्रियान्वित करते, योजनाओं को उनके लक्ष्य तक पहुंचाने में मदद और सार्वजनिक धन का समुचित उपयोग सुनिश्चित करते हैं। इसलिए लोकसेवा दिवस पर प्रधानमंत्री ने लोकसेवकों से अपील की कि वे राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को विस्तार दें।

वे हर फैसले से पहले इन सवालों के बारे में जरूर सोचें कि सत्ता में बैठी राजनीतिक पार्टियां सरकारी धन का इस्तेमाल देश के विकास में कर रही हैं, अपने दल के विस्तार में या वोट बैंक बनाने के प्रयास में वे उसे लुटा रही हैं। जाहिर है, उनका इशारा उन सरकारों की तरफ था, जो मुफ्त की सेवाएं और सुविधाएं देकर अपना जनाधार बढ़ाने का प्रयास करती देखी जाती हैं।

यह प्रवृत्ति पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ी है। अब चुनावों में हर राजनीतिक दल बिजली, पानी, स्वास्थ्य सुविधाएं आदि मुफ्त में उपलब्ध कराने के बढ़-चढ़ कर दावे करता देखा जाता है। कई राज्यों में इस पर अमल भी हो रहा है। यह काम वे सरकारें भी कर रही हैं, जो खासे वित्तीय संकट से गुजर रही हैं। मगर सवाल है कि क्या प्रशासनिक अधिकारियों की सतर्कता से यह प्रवृत्ति वास्तव में रुक जाएगी।

सरकारी धन के दुरुपयोग की एक लंबी शृंखला है। उसमें अनाप-शनाप खर्चे भी शामिल हैं। अनेक बार रेखांकित किया जा चुका है कि राजनेताओं को दिखावे और तड़क-भड़क वाला जीवन जीने से परहेज करना चाहिए। उन्हें अपने खर्चों को सीमित करने पर ध्यान देना चाहिए। मगर चुनाव खर्च से लेकर निजी जीवन तक उनके खर्चे में कहीं भी कोई कमी नजर नहीं आती।

यही बात प्रशासनिक अधिकारियों के मामले में देखी जाती है। इस तरह सरकारी खजाने का बड़ा हिस्सा जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की सुविधाएं जुटाने पर खर्च हो जाता है। फिर लोकलुभावन योजनाओं की घोषणा इसी मकसद से की जाती है कि लोग अगले चुनाव में भी उन्हें ही चुन कर सत्ता तक पहुंचाएंगे। हर चुनावी वर्ष में लुभावनी योजनाओं की झड़ी-सी लग जाती है।

इस मामले में कोई भी राजनीतिक दल पीछे नहीं है। फिर तर्क दिए जाते हैं कि जन कल्याण के लिए योजनाएं शुरू करना या पुरानी योजनाओं को विस्तार देना, उनके मद में धन का आबंटन बढ़ाना एक कल्याणकारी सरकार का दायित्व है। ऐसे में प्रशासनिक अधिकारियों के लिए सत्ता पक्ष का हाथ रोकना आसान नहीं होता।

फिर सवाल लोकसेवकों यानी प्रशासनिक अधिकारियों की जवाबदेही का भी है। वे खुद कितने निष्ठावान रह गए हैं, इस पर प्रश्नचिह्न लगातार गाढ़ा ही होता गया है। छिपी बात नहीं है कि हर सत्ता पक्ष प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस का इस्तेमाल अपने मन मुताबिक करने का प्रयास करता है। इसीलिए जब भी सरकार बदलती है, तो बड़े पैमाने पर अधिकारियों के तबादले किए जाते हैं।

अगर कोई अधिकारी वास्तव में सरकार के कामकाज पर अंगुली उठाने का प्रयास करता है, तो तबादलों और मुकदमों के चक्र में ऐसा फंसाया जाता है कि वह अपना काम ठीक से कर ही नहीं पाता। ऐसे में प्रशासनिक अधिकारियों की सत्ता से करीबी बनाए रखने की प्रवृत्ति बनती गई है। वे महत्वपूर्ण और 'कमाई' वाले माने जाने वाले पदों पर पहुंचने के लिए प्रकट रूप से जोड़-तोड़ भी करते देखे जाते हैं। ऐसे में यह सवाल अनुत्तरित ही रह जाता है कि क्या वास्तव में प्रशासनिक अधिकारी अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वाह कर पाएंगे!

संपादक-
गोपाल गावंडे

अतीक की हत्या से यूपी में बीजेपी को हो रहा सियासी फायदा? जमीन पर दिख रहा ऐसा माहौल

अतीक अहमद की हत्या के बाद जिस योगी सरकार पर गंभीर सवाल खड़े होने चाहिए थे, वहां लोगों का एक तबका इस अपराध को अलग ही नजर से देख रहा है। लोगों का वो नजरिया यूपी में बीजेपी को सियासी फायदा देने की ताकत रखता है, सीएम योगी को सियासी तौर पर और मजबूत कर सकता है।

प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या ने सभी को हैरान कर दिया। मीडिया के सामने, मीडियाकर्मी बनकर जिस तरह से इस अपराध को अंजाम दिया गया, सभी हक्का-बक्का रह गए। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात ये रही कि ये सबकुछ भारी पुलिस फोर्स के बीच हुआ, जो वीडियो भी सामने आया उसमें पुलिस वाले दूर खड़े रहे, किसी में भी इतनी हिम्मत नहीं दिखी कि वो गन निकाल उन आरोपियों को अतीक को मारने से रोकें।

अब जिस घटना से यूपी की योगी सरकार पर कई गंभीर सवाल खड़े होने चाहिए थे, वहां पर जमीन पर स्थिति इससे अलग दिखाई पड़ती है। क्या गोरखपुर, क्या लखनऊ, क्या मुजफ्फरनगर और क्या नोएडा, सभी जगह इस हत्या को भी सही माना जा रहा है। हत्या क्योंकि माफिया अतीक अहमद की हुई है, ऐसे में लोग इसमें कुछ भी गलत नहीं देख रहे। लखनऊ के ही एक व्यापारी कहते हैं कि हिंदुओं का 150 फीसदी समर्थन है, जिस अतीक ने दशकों तक अपने आतंक से सभी को परेशान किया, वो अब मारा गया है। इसी कड़ी में गोरखपुर के एक कांग्रेस नेता बताते हैं कि हालात ऐसे हैं कि पढ़े लिखे शिक्षक, प्रोफेसर भी इस घटना का समर्थन कर रहे हैं। एक आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता ने तो यहां तक कह दिया वे अपनी पार्टी की तरफ से जरूर इस समय योगी सरकार का विरोध कर रहे हैं, कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन निजी तौर पर वे भी इस सब से खुश हैं।

अतीक की हत्या के बाद यूपी में कैसा माहौल?

अब ये बयान बताते हैं कि यूपी में सियासी फिजा पूरी तरह बदल चुकी है। जिन मुद्दों को पहले कानून व्यवस्था से जोड़कर सरकार को घेरने का काम किया जाता था, अब योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद वो बदल गया है। लोग कहते हैं कि वे इस तरह से तो अतीक की हत्या नहीं चाहते थे, लेकिन जो हुआ, वो भी ठीक ही रहा। यानी कि मन में अतीक को लेकर इतनी नफरत थी कि कानून व्यवस्था के इस फेलियर से जनता को कोई फर्क नहीं पड़ रहा। इस समय हालात ऐसे बन गए हैं जहां पर गवाह अपराधियों के खिलाफ खुलकर बोलने से डरते हैं, उन्हें सियासी पार्टियों का समर्थन रहता है, कोर्ट में सालों तक सुनवाई नहीं होती और दूसरी तरफ क्रिमिनल जस्टिस का भारत में मजाक बनता रहता है। इसी स्थिति के बीच योगी आदित्यनाथ और उनकी सियासत अलग अंदाज में आगे बढ़ती दिख रही है।

यही कारण है कि जिस हत्या से वैसे तो बीजेपी का कोई कनेक्शन ना रहा हो, लेकिन आम लोगों के बीच में ये धारणा बन रही है कि सीएम योगी की वजह से एक और माफिया का सफाया हो गया। जब से योगी यूपी के सीएम बने हैं, उन्होंने कुछ इस प्रकार की कार्रवाई को हरी झंडी दिखाई है कि लोगों के बीच उन्हें बुलडोजर बाबा का तमगा मिला है। इसके ऊपर जब वे मीडिया के सामने कहते हैं कि माफिया को मिट्टी में मिला देंगे, इसका अलग ही असर लोगों पर पड़ता है। पिछले कुछ सालों में तो ऐसा ट्रेंड बन गया है जहां पर अब बीजेपी शासित दूसरे राज्य भी उसी तरह के मॉडल पर चलने लगे हैं। लेकिन सीएम योगी ने बीजेपी में तेजी से अपना कद बढ़ाया है, ऐसा बढ़ा कि प्रधानमंत्री मोदी के बाद अब जब भी चुनावी मौसम में हिंदू वोटरों को एकमुश्त करने का काम करना हो, तो उन्हें ही आगे किया जाता है।

योगी की बढ़ती लोकप्रियता और ध्रुवीकरण की राजनीति

सीएम योगी को लेकर एक बीजेपी नेता बताते हैं कि उनके तीन ऐसे गुण हैं, जिस वजह से वे तेजी से लोकप्रिय हुए हैं। पहला तो ये कि उन्होंने यूपी में कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम किया है। दूसरा ये कि वे यूपी में निवेश लाने में सफल रहे हैं, और तीसरा ये उन्होंने मुस्लिमों पर लगाम लगाया है। वैसे भी वर्तमान स्थिति को देखा जाए तो माना जा रहा है कि अतीक की हत्या से बीजेपी को जो पॉलिटिकल माइलेज मिल रहा है, वो सिर्फ आगामी निकाय चुनाव तक सीमित नहीं रहने वाला है, बल्कि आगे भी इससे सियासी फायदा मिल सकता है। जब 2013 में मुजफ्फरनगर के दंगे हुए थे, उसके बाद 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान हिंदुओं का ध्रुवीकरण किया गया था। अब अतीक की हत्या के बाद भी ये धार्मिक ध्रुवीकरण देखने को मिल सकता है।

लखनऊ के राजनीतिक जानकार तो यहां तक मानते हैं कि योगी आदित्यनाथ अब उस स्थिति में पहुंच चुके हैं कि वे बिना पीएम मोदी के भी यूपी में बीजेपी को जीत दिलवा सकते हैं। सियासी रूप से देखा जाए तो वैसे भी यूपी ही 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी बीजेपी के लिए सबसे जरूरी रहने वाला है। जहां से 2014 में बीजेपी को 80 में से 71 सीटें मिली थीं, उसी राज्य ने 2019 के चुनाव में भी 62 सीटें उसकी झोली में दीं। अभी इस समय जब कर्नाटक, बिहार, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में बीजेपी की स्थिति पहले की तुलना में कुछ कमजोर नजर आती है, उस स्थिति में यूपी में और बेहतर करना पार्टी के लिए जरूरी है।

अब अतीक की हत्या को अगर सियासत से परे होकर देखा जाए तो कई गंभीर सवाल खड़े होते हैं। प्रशासनिक से लेकर न्यायिक स्तर पर कई कमियां सामने आई हैं। ये जरूरी है कि जो भी अपराधी आतंक फैलाए, लोगों को परेशान करें, उन्हें समय रहते सजा मिले, जनता को न्याय मिले। ऐसा नहीं होने पर सिस्टम के बाहर जिस भी तरह से न्याय दिया जाएगा, लोगों का विश्वास उसी में बढ़ेगा।

ट्रैक्टर चढ़ाकर महिला की हत्या का प्रयास

बुजुर्ग दंपति के साथ भी की मारपीट

दिवार बनाने को लेकर हुआ था विवाद, आरोपी फरार

इंदौर। दिवार बनाने की को लेकर हुए विवाद में एक महिला पर आरोपियों ने ट्रेक्टर चढ़ाकर उसकी हत्या का प्रयास किया। ट्रेक्टर के पहिए पैर पर चढने के कारण महिला बुरी तरह घायल हो गई। वहीं इस झगड़े में बुजुर्ग दंपति के साथ भी बुरी तरह मारपीट की गई। मामले में पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू दी है।

घटना मानपुर थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार 65 वर्षीय मुन्नीबाई की रिपोर्ट पर मालीपुरा में रहने वाले सागर और सुनील पर केस दर्ज किया है। विवाद में मुन्नीबाई के अलावा 72 वर्षीय गिरधारी मारपीट में और अल्का ट्रेक्टर चढने से बुरी तरह घायल हो गई। मुन्नीबाई ने पुलिस को बताया कि अल्का का भतीजा सागर जाट व जेट सुनील जाट मालीपुरा स्थित घर के गोडाऊन पर आये व दिवाल बनाने कि बात को लेकर गालियां देते हुए विवाद करने लगे। इस दौरान सुनील जाट ने उसके लड़के सागर को कहा की अल्काबाई पर ट्रेक्टर चढ़ाकर इसे जान से मार दें तो सागर ने ट्रेक्टर को तेजी से चलाकर जान से मारने की नियत से अल्का पर ट्रेक्टर चड़ाया अल्का निचे गिर गयी ट्रेक्टर का बड़ा पहिया अल्का के दाहिने पैर पर चड़ गया व टक्कर लगने दूसरे पैर में भी चोट लगी ।

इस दौरान अल्का की सास मुन्नीबाई व ससुर गिरधारी जाट बीच बचाव करने आये तो मुन्नीबाई को सागर ने बेस बाल के डण्डे से मारपीट किया व गिरधारी को सुनील ने थापड़ मुक्कों से मारपीट की। इस दौरान शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग आए तो आरोपी धमकाते हुए भाग निकले। मामले में पुलिस ने दोनों पर हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

पत्नी की हत्या का आरोपी पकड़ाया

इंदौर। गत दिनों खजराना थाना क्षेत्र में पत्नी की सिलबट्टा मारकर हत्या करने के मामले में फरार आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

खजराना थाना पुलिस ने 27 वर्षीय रुखसार की हत्या के आरोपित पति इरफान अली को अजमेर से गिरफ्तार कर लिया । वह दो लोगों की हत्या करना चाहता था। उसके लिए पुष्कर (राजस्थान) से हथियार भी खरीद लिए थे।टीआइ दिनेश वर्मा के मुताबिक, इरफान ने 15 अप्रैल को सिलबट्टा मार कर पत्नी रुखसार की हत्या की थी। वह उसके चरित्र पर शंका करता था। आरोपित हत्या के बाद नंबर बदल-बदलकर बातें करता था। जानकारी मिली थी कि इरफान अजमेर गया है। टीम वहां पहुंची, लेकिन वह पुष्कर चला गया। खबर मिली कि ईद पर अजमेर आएगा।पुलिसकर्मी सादे कपड़ों में रेकी करने लगे और जैसे वह आया तो उसे गिरफ्तार कर लिया। उसने बताया कि शादाब व एक अन्य की भी हत्या करना चाहता था। शादाब पर पूर्व में भी जानलेवा हमला किया था। उसे शक था कि शादाब से रुखसार के प्रेम संबंध है।

क्रिकेट का सट्टा पकड़ाया

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र स्थित एक कालोनी में स्थित फ्लेट पर पुलिस ने छापा मारकर आईपीएल सट्टे का भंडाफोड़ किया है। सूत्रों के अनुसार मुखबिर की सूचना पर श्याम रिजेंसी के फ्लेट नं. 106 में कार्रवाई हुई हुई है। पुलिस ने यहां से लेपटाप, मोबाइल, सट्टे का हिसाब-किताब सहित कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, जिनसे और जानकारी जुटाई जा रही है।

मोबाइल चुराकर भागा, ट्रैफिक एएसआई ने पकड़ा

इंदौर। चोइथराम चौराहे के पास गुरुद्वारे के लंगर चखने आए युवक का मोबाइल चुराकर बदमाश ने दौड़ लगा दी। शोर मचा तो ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक एएसआई ने दौड़ लगाकर बदमाश को दबोच लिया। उसे स्थानीय पुलिस के सुपुर्द किया गया है।

पुलिस के अनुसार हरेंद्र पिता सुरेंद्र सिंह दंडोतिया निवासी स्टार चौराहा लंगर में भोजन प्रसाद ले रहा था। इस दौरान उसने मोबाइल बगल में स्थित पेट्रोल पंप पर चार्जिंग में लगा दिया था। साथ में खाना खा रहे आरोपी अनिल पिता राकेश यादव निवासी आजादनगर धीरे से उठा और फरियादी का मोबाइल चार्जिंग से निकाल कर भागने लगा। फरियादी की नजर पड़ी तो उसने शोर मचाते हुए आरोपी का पीछा शुरू किया। चोइथराम चौराहे पर यातायात प्रबंधन का कार्य कर रही एसीपी अरविंद तिवारी की टीम के एएसआई प्रकाश कांग्ले, आरक्षक मानवेंद्र और आरक्षक सतीश ने चोर का पीछा अनिल को पकड़ लिया। आरोपी को अग्रिम कार्यवाही के लिए थाना राजेंद्र नगर के सुपुर्द कर दिया। फरियादी ने सुरक्षित मोबाइल मिलने पर ट्रैफिक पुलिस को धन्यवाद कहा।

जेबकट भी ट्रेफिक पुलिस के हाथ आया

रविवार को मूसाखेड़ी चौराहा पर सामान खरीदने आये नरसिंह और भारत मूल निवासी ग्राम रोडदा जिला धार सामान खरीदकर चोइथराम क्षेत्र में जाने के लिए सिटी बस में बैठे थे। उसी समय आरोपी सागर पिता सुनीलकांत प्रजापति निवासी द्वारकापुरी और अन्य साथी द्वारा नरसिह का पर्स जेब से निकाला और भागने लगे। नरसिंह और साथी ने शोर मचाया तो मूसाखेड़ी चौराहे पर यातायात प्रबंधन का कार्य देख रहे सूबेदार काजिम हुसैन रिज़्वी, आरक्षक ब्रजेश वर्मा, आरक्षक दीपक मुजाल्दे ने सागर पिता सुनीलकांत प्रजापति को पकड़ लिया, जबकि उसके अन्य साथी भाग गए। टीम ने एक आरोपी को आज़ादनगर थाने सुपुर्द किया है।

दो गाडियों में लगाई आग

इंदौर। किशनगंज थाना क्षेत्र में आने वाले गायकवाड में अज्ञात बदमाश ने घर के बाहर खड़े दो टू व्हीलर में आग लगा दी। घटना के वक्त परिवार के सदस्य घर में ही सो रहे थे। आग की लपटे उठती देख परिवार के लोग घर से बाहर भाग निकले।

मामला वार्ड नंबर 13 गायकवाड का है। दिलीप पिता उमर और विशाल पिता नानूराम की दो पहिया वाहन में अज्ञात व्यक्ति ने आग लगा दी। दिलीप के घर पर एक बड़ा हादसा होते-होते रह गया। यहां मुख्य द्वार पर खड़ी उनकी स्कूटी में आग लगा दी। इस दौरान आग किराने की दुकान में भी लगने वाली थी, लेकिन पानी डालकर आग पर काबू पा लिया। स्कूटी के साथ-साथ दिलीप के घर पर खड़ा ठेला और 40 से 50 टमाटर के कैरेट भी जलकर खाक हो गए। मामले की जानकारी लगते ही किशनगंज पुलिस भी मौके पर पहुंची और आरोपी को ढूंढने का प्रयास कर रही है।

आपदा प्रबंधन की बैठक रेसीडेंसी कोठी में सांसद मंत्री विधायक कलेक्टर कमिश्नर तथा राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय मौजूद रहे

पूर्व मंत्री के बेटे के साथ मारपीट करने वाले दो बदमाशों को जेल

इंदौर। पूर्व मंत्री रंजना बघेल के बेटे के साथ मारपीट करने वाले दो बदमाशों को जेल भेज दिया गया। घटना 21 अप्रैल को प्रेस्टीज कॉलेज के नजदीक की है। यहां गाड़ी की पार्किंग को लेकर विवाद हुआ था। यहां शोभित सोनी तथा उसके दो अन्य साथी वैभव यादव व राघव पिता संजय मोहन वाणी ने यशवर्धन सिंह से विवाद किया। यशवर्धन को क्रिकेट के बैट से पीटा और गाड़ी में तोडफ़ोड़ कर दी। पुलिस ने शिकायत के बाद आरोपी शोभित सोनी और राघव को गिरफ्तार कर एसीपी कोर्ट में पेश किया गया। यहां जमानत खारिज होने से जिला जेल भेज दिया गया। तीसरा आरोपी वैभव यादव घटना के बाद से ही फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

मजदूर की मौत में ठेकेदारों पर केस दर्ज

इंदौर। फैक्ट्री में काम करते वक्त एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने जांच में ठेकेदारों को मौत का जिम्मेदार मानते हुए उन पर प्रकरण दर्ज किया है। बाणगंगा पुलिस के अनुसार ग्राम बरदरी में सुप्रीम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है। यहां करीब ढाई महीने पहले बाबूलाल मेवाड़ की हादसे में मौत हो गई थी। जांच के बाद शेख इकबाल और हमीद आलम के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है। दोनों पर मजदूरों की सुरक्षा की जिम्मेदारी थी। मजदूरों को सुरक्षा के संसाधन उपलब्ध नहीं करवाए थे जिसके चलते बाबूलाल गंभीर रूप से घायल हुआ था। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया था।

शादी में झगड़ा, मारपीट

इंदौर। शादी समारोह में नाचने की बात पर हुए विवाद में मारपीट हो गई। मामले में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया है। रावजी बाजार पुलिस के अनुसार विवेक वर्मा निवासी मरीमाता का बगीचा जबरन कॉलोनी की शिकायत पर आरोपी डिप्टी वर्मा, चंदन वर्मा, शुभम वर्मा और हरीश ठाकुर के खिलाफ मारपीट की धाराओं में केस दर्ज हुआ है। क्षेत्र से बारात निकल रही थी। दोनों ही पक्ष बारात में शामिल थे। यहां नाचने की बात पर आपस में मारपीट करने लगे।

चाकूबाज पकड़ाया

इंदरौ। अपराध को अंजाम देने के लिए हथियार लेकर घूम रहे युवक को पुलिस ने चेकिंग के दौरान पकड़ लिया। मल्हार मेगा माल के सामने चल रही पुलिस चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध युवक पुलिस को देख भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर जवानों ने पकड़ा और उनकी तलाशी ली तो उसके पास एक धारदार चाकू जो दोनों तरफ से खुलता है वह बरामद हुआ। विजय नगर पुलिस ने बताया कि पकड़ाए आरोपी का नाम अश्विन पिता राजेंद्र पंचोली निवासी जूनी इंदौर है। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

आटे में लग जाते हैं कीड़े तो इस तरीके से महीनों तक करें स्टोर, अपनाएं ये आसान टिप्स

हर घर के डाइट में एक टाइम रोटी खाना तो फिक्स ही रहता है। हालांकि हर दूसरे दिन मार्केट से आटा खरीदना मुश्किल होता है। इसलिए अधिकतर लोग आटे को स्टोर करके रखते हैं। जिससे कि रोज-रोज आटा न खरीदना पड़े। लेकिन आटे में कीड़े लगने के कारण लोग इसको लंबे समय तक स्टोर नहीं कर पाते हैं। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ आसान सी ट्रिक्स बताने जा रहे हैं। जिनके जरिए आप 6 महीने से ज्यादा समय तक आटे को स्टोर करके रख सकते हैं। साथ ही आप लंबे समय तक आटे को फ्रेश भी रख सकते हैं।

कंटेनर में रखें आटा

अधिकतर लोग प्लास्टिक के डिब्बे या बोरे में आटे को स्टोर करते हैं। लेकिन यह लंबे समय तक आटा स्टोर करने के लिए सही नहीं है। इस तरह से आटे को रखने पर उसमें नमी आ जाती है। साथ ही यह जल्दी खराब होने लगता है। आटे को लंबे समय तक एल्यूमीनियम या स्टील के कंटेनर में स्टोर करना चाहिए। आटे को स्टोर करने से पहले इसको थोड़ी देर के लिए धूप जरूर दिखानी चाहिए।

आटे में मिलाएं नमक

आटे से कीड़ों को दूर रखने के लिए नमक बेहतरीन काम करता है। आटे की मात्रा के अनुसार उसमें 1 या 2 चम्मच नमक मिलाकर इसको कंटेनर में स्टोर करना चाहिए। इससे स्टोर किया हुआ आटा महीनों फ्रेश रहता है।

तेज पत्ता

अगर आप आटे को लंबे समय तक फ्रेश रखने के लिए उसमें नमक नहीं मिलाना चाहते हैं तो इसकी जगह पर आप तेज पत्तों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। जैसा कि आप सभी को पता है कि तेज पत्तों की स्मेल काफी स्ट्रांग होती है। जिसके कारण आटे में कीड़े नहीं पड़ते हैं। जिस भी कंटेनर में आप आटे को स्टोर कर रहे हैं, उसमें 5-6 तेज पत्ते डालकर रख दीजिए। इससे आपका आटा लंबे समय तक फ्रेश बना रहेगा।

फ्रिज में करें स्टोर

फ्रिज में आटे को लंबे समय तक स्टोर नहीं किया जा सकता है। लेकिन फिर भी आप आटे को कीड़े से बचाने व फ्रेश रखने के लिए फ्रीज का उपयोग कर सकती हैं। फ्रिज में आटे को एक एयर टाइट प्लास्टिक बैग में करके रखें। इस बात का ध्यान रखें कि उसमें नमी न पहुंचे। क्योंकि नमी पहुंचने पर यह खराब हो सकता है।

इन बातों का रखें खास ख्याल

अगर आप भी बल्क में आटा खरीदते हैं तो इसकी क्वालिटी और एक्सपायरी डेट देखना न भूलें। क्योंकि ज्यादा पुराना आटा लंबे समय तक स्टोर नहीं किया जा सकता है। ज्यादा पुराने आटे में जल्दी कीड़े लगने लगते हैं। आटे के पैकेट को एक महीने से ज्यादा पुराना नहीं खरीदना चाहिए।

नारियल की मलाई को ऐसे करें अपने ब्यूटी रूटीन में शामिल

नारियल की मलाई से आप अपनी स्किन को आसानी से मॉइश्चराइज कर सकते हैं। इसके लिए आप नारियल की मलाई लें और उसे अच्छी तरह मैश करें। अब आप अपनी स्किन को क्लीन करके इस मलाई लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें।

गर्मी के दिनों में हम सभी अपनी नारियल पानी का सेवन अवश्य करते हैं। लेकिन अक्सर नारियल पीने के बाद हम उसकी मलाई को ऐसे ही फेंक देते हैं। जबकि इसकी मदद से आप अपनी स्किन और बालों दोनों का ख्याल रख सकते हैं। नारियल की मलाई ना केवल आपकी स्किन को मॉइश्चराइज करती है, बल्कि स्कैल्प को कंडीशन करने के साथ-साथ रूसी से भी निजात दिलाती है। इसकी मदद से बालों की ग्रोथ को भी बूस्ट अप किया जा सकता है। अगर आप चाहें तो नारियल की मलाई को फेंकने की जगह उसे कई अलग-अलग तरीकों से अपने ब्यूटी रूटीन में शामिल कर सकते हैं और ब्यूटीफुल स्किन व हेयर पा सकते हैं-

स्किन को करें मॉइश्चराइज

नारियल की मलाई से आप अपनी स्किन को आसानी से मॉइश्चराइज कर सकते हैं। इसके लिए आप नारियल की मलाई लें और उसे अच्छी तरह मैश करें। अब आप अपनी स्किन को क्लीन करके इस मलाई लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। कुछ मिनटों के लिए इसे लगा रहने दें, फिर इसे गर्म पानी से धो लें। आप चाहें तो नारियल की मलाई में थोड़ा सा गुलाब जल भी मिक्स कर सकते हैं।

बनाएं फेस मास्क

अपनी स्किन को पैम्पर करने के लिए आप नारियल की मलाई से एक फेस मास्क भी तैयार कर सकते हैं। इसके लिए नारियल की मलाई लें और उसमें थोड़ी मात्रा में शहद मिक्स करें। अपने फेस को क्लीन करके इस मास्क को अपने चेहरे पर लगाएं। करीबन 10-15 मिनट बाद अपने चेहरे को पानी की मदद से वॉश कर दें।

बालों को करें कंडीशन

नारियल की मलाई ना केवल आपकी स्किन को मॉइश्चराइज करती है, बल्कि इससे बालों को कंडीशन करने में भी मदद मिलती है। इसके लिए आप नारियल की मलाई को अच्छी तरह मैश कर लें और फिर इसे अपने बालों में लगाएं। इसे लगाने के बाद आप अपने बालों की हल्के हाथों से मसाज करें। इसे 30 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर इसे शैम्पू और गर्म पानी से धो लें।

रूसी को कहें अलविदा

अगर आप रूसी से परेशान हैं तो ऐसे में नारियल की मलाई को बतौर स्कैल्प ट्रीटमेंट भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदों के साथ नारियल की मलाई मिक्स करें। अब आप इसे अपने स्कैल्प पर लगाएं और 30 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में, शैम्पू और गर्म पानी से इसे धो लें।

गर्मियों में बालों को होती है खास देखभाल की जरूरत, ऐसे रुखे और बेजान बालों में आएगी

गर्मियों में बहुत ज्यादा पसीना धूप और धूल से बाल खराब होने लगते हैं। जिसके कारण न सिर्फ बालों की ग्रोथ रुक जाती है। बल्कि बाल बहुत ज्यादा टूटने लगते हैं। ऐसे में अगर बालों की खास देखभाल न की जाए तो यह बहुत ज्यादा खराब हो सकते हैं। गर्मियों में आप ऐसे अपने बालों की देखभाल कर सकती हैं।

अक्सर गर्मियों के मौसम में हमारा पूरा फोकस सिर्फ स्किन केयर की तरफ होता है। किस तरह से स्किन को टैनिंग से बचाना है। सनस्क्रीम लगाकर बाहर निकलना आदि, लेकिन इस के बीच हम अपने बालों का ख्याल रखना भूल जाते हैं। महिलाओं से लेकर पुरुषों तक की खूबसूरती बढ़ाने का काम बाल काम करते हैं। इसलिए जितनी स्किन की केयर करनी चाहिए, उतना ही बालों को भी केयर और देखभाल की जरूरत होती है। गर्मियों में बालों का ख्याल नहीं रखने पर धूप, धूल और पॉल्यूशन के कारण यह डैमेज होकर टूटने लगते हैं। आइए जानते हैं कि गर्मियों में बालों की किस तरह से देखभाल करनी चाहिए।

बालों की साफ-सफाई

गर्मियों के मौसम में सप्ताह में करीब 2 से 3 बार शैंपू करना चाहिए। क्योंकि गर्मी में पसीना निकलने के कारण पसीना और ऑयल स्कैल्प पर जमा होते रहते हैं। जिसकी वजह से खुजली और इंफेक्शन आदि हो जाता है। इससे बचने के लिए शैंपू करें। साथ ही बालों को धोने के लिए गर्म पानी के इस्तेमाल से बचना चाहिए। हालांकि आप गुनगुना पानी इस्तेमाल कर सकते हैं।

धूप से सुरक्षा

सूरज की हानिकारक यूवी किरणें न सिर्फ हमारी स्किन के लिए बल्कि यह बालों को भी काफी नुकसान पहुंचाती हैं। सूरज की हानिकारक यूवी किरणों के कारण बाल में ड्रायनेस की समस्या बढ़ सकती है। जिसके कारण बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। इसलिए धूप में निकलने से पहले हमेशा बालों को दुपट्टे या स्टोल से कवर कर लें।

कंडीशनर

बालों के लिए जितना ही जरूरी शैंपू होता है, उतना ही जरूरी कंडीशनर भी है। कंडीशनर से बालों को पोषण मिलता है। इसके इस्तेमाल से बाल हाइड्रेट रहते हैं और उलझते भी कम हैं। बालों पर बाजार के केमिकल युक्त प्रोडक्ट का इस्तेमाल किए जाने से बचना चाहिए। अगर आप चाहें तो घर की नेचुरल चीजों के इस्तेमाल से कंडीशनर बना सकते हैं। यह आपके बालों के लिए भी फायदेमंद होगा।

स्टाइलिंग टूल्स

अगर आप भी बालों की स्टाइलिंग के लिए बहुत ज्यादा हीटिंग टूल्स का इस्तेमाल करती हैं। तो आपको बता दें कि यह आपके बालों की क्वालिटी को नुकसान पहुंचा सकता है। हीटिंग टूल्स के यूज से बाल ड्राय होकर बहुत ज्यादा टूटने लगते हैं। ऐसे में अगर भी बालों को घना और मुलायम बनाए रखना चाहते हैं तो हीटिंग टूल्स के अधिक इस्तेमाल से बचना चाहिए।

ट्रिमिंग भी है जरूरी

बालों की अच्छी ग्रोथ के लिए और दोमुहे बालों को कम करने के लिए समय-समय पर ट्रिम कराना चाहिए। ट्रिमिंग कराने से बालों की प्रॉब्लम से भी काफी हद तक राहत मिलती है।

सहजयोग से मिलता है अक्षय पद

समूचे भारत में अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाता है। इस दिन को साढ़ेतीन शुभ मुहूर्त में से एक माना गया है। इस दिन अपने पितरों को भोजन देकर इनके प्रति आदर व्यक्त किया जाता है। भारतीय तत्वज्ञान पुर्नजन्म पे विश्वास रखता है, जिसके अनुसार आत्मा तो अजर, अमर, अविनाशी है, मृत्यु तो केवल शरीर की होती है। अक्षय तृतीया पर हमारे पितरों को भी अक्षय पद प्राप्त हो ऐसी प्रार्थना हमें परमात्मा से करनी चाहिए। सहजयोग में अक्षय तृतीया का विशेष महत्व है।

प. पू. श्रीमाताजी कहते हैं कि, अनादि काल से लोग इस दिन परमेश्वर से कुछ न कुछ माँगते है। धर्मस्थलों पर जाकर लोग पूजा पाठ या अभिषेक करते हैं और परमेश्वर से पैसा, पद, प्रतिष्ठा, आरोग्य, बच्चे या इस भौतिक जीवन मे आयी हुई समस्याओं का समाधान मांगते है। प. पू. श्रीमाताजी कहते हैं, अपनी माँग शुद्ध और सामूहिक होनी चाहिये। उदाहरणार्थ हम परमेश्वर से संतुलित बरसात मांग सकते हैं जिस कारण इस धरती पर संतुलित और उपयुक्त मात्रा में फसल हो तथा सभी को पर्याप्त भोजन मिले। **सर्वे भवन्तु सुखिना, सर्वे सन्तु निरामया** अर्थात इस धरतीपर सभी लोग निरामय और सुखी बनें ऐसी प्रार्थना हमें करनी चाहिये।

परंतु इस धरती पर सभी लोग कब सुखी होंगे?

श्रीमाताजी कहते हैं, जब उन्हें अक्षय पद प्राप्त होगा। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय ना हो, और ये अक्षय पद हम हमारे आत्मतत्व को पाये बगैर नहीं प्राप्त कर सकते। इस अक्षयपद की प्राप्ति पुराणों के अनुसार बालक ध्रुव और भक्त प्रल्हाद को हुई थी इसीलिये भक्त प्रल्हाद को अग्नि जला नहीं सकी। पूर्वकाल में इस अक्षय पद को पाने के लिए गुरुगृह जा कर 12 वर्षों तक तपस्या करनी पड़ती थी, तब गुरु उन पर अनुग्रह करते थे। परंतु आज वसंत का समय है। इस भ्रांति वाले कलियुग में सहजयोग के माध्यम से आत्मस्वरूप को आप स्वयं ही अनुभव कर सकते हैं इसके बारे में ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं । जिन्हें ये अक्षय पद यानि कि आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति हुई है इनके अनुभवों को साझा कर सकते हैं ।अपने मन और हृदय में आने वाली सभी शंकाओं का निराकरण कर सकते हैं। शर्त केवल एक ही है, इस अक्षय पद को आपको हृदय से माँगना होगा और इसके प्रति समर्पित होना होगा।

इस अक्षय तृतीया पर परमात्मा से अक्षय पद की प्राप्ति हेतु सहजयोग ध्यान का अनुभव प्राप्त करें। सहजयोग से संबंधित जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्णतया निशुल्क है। टोल फ्री नं - 1800 2700 800 बेवसाइट? - sahajayoga.org.in यूट्यूब चैनल – लर्निंग सहजयोगा प्रति शनिवार शाम 06:30 बजे

चेन्नई ने कोलकाता को 49 रन से हराया, अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची धोनी की टीम

आईपीएल के 33वें मुकाबले में चार बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का सामना दो बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स से था। यह मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला गया। चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 235 रन बनाए। जवाब में कोलकाता की टीम 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 186 रन बना सकी।

चेन्नई ने कोलकाता को हराया

आईपीएल 2023 के 33वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 49 रन से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 235 रन बनाए। अजिंक्य रहाणे ने 29 गेंदों में 71 रन की नाबाद पारी खेली। इसके अलावा शिवम दुबे ने 21 गेंदों पर 50 रन और डेवोन कॉनवे ने 40 गेंदों पर 56 रन बनाए। जवाब में कोलकाता की टीम 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 186 रन बना सकी। जेसन रॉय ने सबसे ज्यादा 26 गेंदों में 61 रन बनाए। वहीं, रिंकू सिंह ने 33 गेंदों में 53 रन की नाबाद पारी खेली।

इस जीत के साथ चेन्नई सुपर किंग्स की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। उसके सात मैचों में पांच जीत और दो हार के साथ 10 अंक हैं। वहीं, कोलकाता की टीम के सात मैचों में दो जीत और पांच हार के साथ चार अंक हैं। टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर है।

रोमांचक स्थिति में मैच

16 ओवर के बाद कोलकाता ने पांच विकेट गंवाकर 156 रन बना लिए हैं। फिलहाल रिंकू सिंह 20 गेंदों में 31 रन और आंद्रे रसेल चार गेंदों में नौ रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। कोलकाता को जीत के लिए 24 गेंदों में 80 रन की जरूरत है।

लाइव मैच में बौखला गए मोहम्मद सिराज, अपने ही साथी खिलाड़ी पर गरजे, बाद में दो बार मांगनी पड़ी माफी

आईपीएल 2023 के 32वें मैच में आरसीबी ने राजस्थान रॉयल्स को 7 रन से हरा दिया. मैच में आरसीबी की ओर से मैक्सवेल ने तूफानी बल्लेबाजी की और 44 गेंद पर 77 रन बनाए. अपनी पारी में मैक्सवेल ने 6 चौके और 4 छक्के लगाए।

आईपीएल 2023 के 32वें मैच में आरसीबी ने राजस्थान रॉयल्स को 7 रन से हरा दिया. मैच में आरसीबी की ओर से मैक्सवेल ने तूफानी बल्लेबाजी की और 44 गेंद पर 77 रन बनाए. अपनी पारी में मैक्सवेल ने 6 चौके और 4 छक्के लगाए. मैक्सवेल को उनकी तूफानी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया. वही, दूसरी ओर मैच में मोहम्मद सिराज ने जोस बटलर को 0 रन पर आउट कर खूब सुर्खियां बटोरी. एक ओर जहां सिराज ने बटलर को आउट कर आरसीबी को शानदार सफलता दिलाई तो वहीं मैच के दौरान आरसीबी गेंदबाज अपने ही खिलाड़ी पर भड़कते हुए नजर आए थे.

दरअसल, मोहम्मद सिराज राजस्थान की पारी के 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर फील्डर महिपाल लोमरोर पर भड़क गए और उन्हें फटकार लगाते हुए भी नजर आए थे. दरअसल, राजस्थान की पारी के 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर ध्रुव जुरेल ने दो रन लेने की कोशिश की, ऐसे में लोमरोर ने गेंद को पकड़कर गेंदबाज सिराज की ओर थ्रो फेंका, लेकिन दुर्भाग्य से सिराज फील्डर के थ्रो को अच्छी तरह से पकड़ नहीं पाए. पहले तो उनके गेंद को पकड़ने से पहले ही उनका पैर स्टंप पर लग गया और गेंद भी उनके हाथ से छिटक गया. ऐसे में थ्रो को अच्छी तरह से नहीं पकड़ पाने के कारण सिराज बौखला गए और लोमरोर की ओर देखकर गुस्सा करने लगे. सोशल मीडिया पर यह वीडियो खूब वायरल है. फैन्स सिराज के व्यवहार को अच्छा नहीं बता रहे हैं.

लेकिन बाद में सिराज ने लोमरोर से माफी भी मांग ली है. दरअसल, आरसीबी के सोशल मीडिया पर पोस्ट मैच इंटरव्यू का वीडियो शेयर किया गया है जिसमें सिराज ने कहा कि उन्होंने लोमरोर भाई से दो बार माफी मांग ली है. सिराज ने कहा कि, मैंने 2 बार माफी मांग ली है. भाई मैदान पर ही ऐसा रहता है. इसके बाद कुछ नहीं. वहीं लोमरोर ने भी वीडियो इस मुद्दे पर अपनी राय दी और कहा, ठीक है सिराज भाई, बड़े-बड़े मैचों में ऐसी छोटी-छोटी बातें होती रहती है.

वीकेंड पर सलमान की फिल्म की दहाड़, थिएटर्स में उमड़ी भीड़, तीन दिन में 50 करोड़ के पार आंकड़ा

ईद के मौके पर रिलीज हुई सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान की ओपनिंग भले ही उम्मीद से काफी फीकी रही. लेकिन अब फिल्म के बिजनेस ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है. आइए जानते हैं तीसरे दिन फिल्म ने कितनी कमाई की?

%किसी का भाई किसी की जान% के साथ सलमान खान ने ईद पर बड़ा धमाका कर दिया है. हालांकि, धमाके की आवाज पहले दिन थोड़ी धीमी रही, लेकिन अब फिल्म की धमक से थिएटर्स गूंजने लगे हैं. स्लो ओपनिंग के बाद सलमान की फिल्म ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है. %किसी का भाई किसी की जान% का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है. वीकेंड पर फिल्म ने धुआंधार कमाई कर दबंग खान को ईदी दे डाली है.

सलमान की फिल्म का चला जादू

ईद के मौके पर रिलीज हुई सलमान खान की फिल्म %किसी का भाई किसी की जान% की ओपनिंग उम्मीद से काफी फीकी रही. फिल्म की ठंडी ओपनिंग ने सलमान के फैंस को परेशान कर दिया था. लेकिन भाईजान की ईदी को उनके फैंस भला कैसे नकार सकते थे? फैंस ने दूसरे और तीसरे दिन फिल्म को बेशुमार दिया और बॉक्स ऑफिस पर %किसी का भाई किसी की जान% को लुढ़कने से बचा लिया.

तीसरे दिन फिल्म की कमाई कैसी रही?

ईद और वीकेंड की छुट्टी का फिल्म को काफी फायदा हुआ है. शुरुआती रुझानों के मुताबिक, फिल्म ने तीसरे दिन 25 से 27 करोड़ के बीच कमाई की है. इसी के साथ फिल्म का कलेक्शन तीन दिन में करीब 65-68 करोड़ के आस-पास हो गया है. यानी 'किसी का भाई किसी की जान' ने तीन दिन में 50 करोड़ का आंकड़ा तो पार कर लिया है.

पहले और दूसरे दिन ऐसी रही फिल्म की कमाई

फिल्म की पहले और दूसरे दिन की कमाई की बात करें तो %किसी का भाई किसी की जान% ने फिल्म की पहले और दूसरे दिन की कमाई की बात करें तो %किसी का भाई किसी की जान% ने 15.81 करोड़ रुपये के साथ ओपनिंग की थी. लेकिन दूसरे दिन थिएटर्स में फिल्म को देखने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी. दूसरे दिन फिल्म ने 25.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन अपने नाम किया और अब तीसरे दिन की कमाई भी 25-27 करोड़ के बीच बताई जा रही है. ईद वीकेंड पर फिल्म की कमाई शानदार रही, लेकिन अब हर किसी की नजरें मंडे के कलेक्शन पर टिकी है. देखना दिलचस्प होगा कि मंडे को फिल्म की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट का हाल कैसा रहता है.

'किसी का भाई किसी की जान' को फरहाद सामजी ने डायरेक्ट किया है. ये एक मल्टी स्टारर फैमिली एंटरटेनर है. फिल्म को दर्शकों का बेशुमार प्यार मिल रहा है. अब देखना होगा कि फिल्म का फाइनल कलेक्शन कहां तक पहुंच पाता है और ये कब तक टिकी रहती है. वैसे आपने भाई की फिल्म देखी या नहीं? अगर नहीं, तो देर किस बात की है, जल्दी से टिकट बुक करिए और देख आइए सलमान खान की 'किसी का भाई किसी की जान'.

रणजीत टाइम्स साप्ताहिक अखबार

सरकार तड़प-जिद-जुनून और जज्बे से दिन-रात जन-सेवा में जुटी - मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री से देश भर से प्रदेश की यात्रा पर आए युवा प्रतिनिधि-मंडल ने की भेंट

युवा प्रतिनिधि-मंडल ने योजनाओं और जन-कल्याण के कार्यों की सराहना की

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से देश भर से प्रदेश की यात्रा पर आए युवा प्रतिनिधि-मंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में भेंट की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में जन-कल्याण और विकास के विभिन्न कार्य और गतिविधियाँ तेजी से हो रही हैं। सरकार तड़प, ज़िद, जुनून और जज्बे के साथ दिन-रात जनता की सेवा में लगी हुई है। राज्य सरकार की मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिला सशक्तिकरण का अभिनव प्रयास है। सुशासन की दृष्टि से भी कई प्रयोग किए जा रहे हैं। प्रदेश में शिकायतों के निवारण के लिए समाधान ऑनलाइन, सीएम हेल्प लाइन और जन-सुनवाई की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में सड़क, बिजली, पानी, कृषि, शिक्षा, स्वच्छता और सुशासन के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। आज मध्यप्रदेश का बजट 3 लाख 14 हजार करोड़ रूपए हो गया है। प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय 11 हजार रूपए से बढ़ कर अब एक लाख 40 हजार रूपए हो गई है। टेक्नॉलाजी का उपयोग करते हुए विभिन्न योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुँचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि देश की जीडीपी में मध्यप्रदेश का 4.6 प्रतिशत योगदान है। प्रदेश में 68 हजार करोड़ रूपए के सिंचाई परियोजनाओं के कार्य चल रहे हैं। सीएम राइज स्कूलों को प्राइवेट स्कूलों से भी बेहतर बनाया जा रहा है। वेस्ट-टू-वेल्थ की अवधारणा को साकार करते हुए कचरे से बिजली बनाने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है। जैविक खेती में मध्यप्रदेश नम्बर वन है। युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिये प्रदेश में युवा नीति बनाई गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि उज्जैन में श्रीमहाकाल महालोक बनाया गया है। ओंकारेश्वर में जगत गुरू आदि शंकराचार्य की प्रतिमा और अद्भुत लोक स्थापित होगा।

युवा प्रतिनिधि-मंडल ने प्रदेश की विभिन्न योजनाओं, विकास कार्यों और अन्य विशेषताओं की सराहना की। प्रतिनिधि-मंडल में सर्वश्री रोहित चहाल, अभिनव प्रकाश सिंह, वैभव पवार, रंजीत सिंह चौहान सहित अन्य युवा शामिल थे।

गुफा मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए बनेगा विशाल भवन-मुख्यमंत्री श्री चौहान

ब्राह्मण कल्याण बोर्ड की होगी स्थापना

भगवान परशुराम की जन्म-स्थली जानापाव में बनेगा श्री परशुराम लोक

परशुराम जी का जीवन-चरित्र अब पाठ्यपुस्तक में, संस्कृत अध्ययन पर प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री श्री चौहान भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव में हुए शामिल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि गुफा मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशाल भवन का निर्माण किया जाएगा। प्रदेश में ब्राह्मण कल्याण बोर्ड की स्थापना की जाएगी। भगवान परशुराम न्याय के देवता थे। उन्होंने आततायियों का नाश करने शस्त्र उठाए थे। उनकी प्रेरणा से मध्यप्रदेश की धरती पर गुण्डे, बदमाश और नक्सलियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश में कक्षा 8वीं के पाठ्यक्रम में भगवान परशुराम के जीवन-चरित्र को शामिल करने, संस्कृत और कर्मकांड का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने और पुजारियों को मानदेय देने की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में आवश्यकता पड़ने पर संस्कृत शिक्षकों को नियुक्त करने का कार्य किया जाएगा। साथ ही मंदिरों की भूमि के संबंध में आवश्यक अधिकार भी रहेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज गुफा मंदिर परिसर भोपाल में बागेश्वर धाम के स्वामी श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज जी के सानिध्य में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव पर अक्षयोत्सव-2023 को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भगवान परशुराम की जन्म-स्थली जानापाव में श्रीपरशुराम लोक का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि धर्म और संस्कृति की रक्षा के कार्य में ब्राह्मणों ने विशेष योगदान दिया है। विभिन्न अवसरों पर आवश्यक कर्मकांड के लिए शिक्षित और दीक्षित ब्राम्हण अपने दायित्व पूरे करते हैं। प्रदेश में 3547 संस्कृत शिक्षक नियुक्त किए गए हैं। शासकीय विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों की आवश्यकता को देखते हुए और भी नियुक्तियाँ की जाएंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री महाराज द्वारा दिए गए सुझावों के अनुरूप राज्य सरकार आवश्यक कदम उठाएगी।

जन्मोत्सव कार्यक्रम में गुफा मंदिर के महंत श्री रामप्रवेश दास, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सुरेश पचौरी, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, भोपाल के पूर्व महापौर श्री आलोक शर्मा, श्री शशि भाई सेठ, जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इसके पूर्व लालघाटी चौराहा स्थित दुर्गा मंदिर पहुँच कर अक्षय तृतीया पर पूजा अर्चना की। दुर्गा मंदिर से गुफा मंदिर परिसर तक शोभा यात्रा भी निकाली गई, जिसमें नागरिकों ने पुष्प-वर्षा कर मुख्यमंत्री श्री चौहान का स्वागत किया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भागीदारी की।

मध्य प्रदेश सरकार लाएगी नई आइटी पालिसी, स्टार्टअप को मिलेगा बढ़ावा

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार राज्य की नई आइटी पालिसी लाएगी। मध्य प्रदेश आइटी (इंफार्मेशन टेक्नोलाजी) विभाग इसकी तैयारी में जुट गया है। इस पालिसी से प्रदेश में आइटी के क्षेत्र में स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा। आने वाले समय में प्रदेश को आइटी हब बनाने की तैयारी है। इससे प्रदेश में इंफार्मेशन टेक्नोलाजी और इलेक्ट्रानिक सर्विसेज में भी निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी। वर्ष 2016 में बनाई गई आइटी पालिसी 2019 तक प्रभावी थी, लेकिन तकनीकी युग में बहुत से बदलाव होने के कारण आइटी पालिसी में भी बदलाव की आवश्यकता महसूस हो रही है। जिसके चलते राज्य सरकार ने नई आइटी पालिसी का मसौदा तैयार किया है।

मई माह में नई पालिसी लांच की जाएगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा इसका शुभारंभ कराने की तैयारी है। बता दें कि भोपाल में आइटी पार्क तो बनाया गया है लेकिन नई नीति के अभाव में यहां उद्योग स्थापित करने में कठिनाई आ रही है। नई आइटी पालिसी के लागू होने से आइटी कंपनियों को प्रदेश में उद्योग स्थापित करने में मदद मिलेगी। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की औद्योगिक नीति को ध्यान में रखकर प्रदेश की नई आइटी पालिसी बनाई जा रही है। इस पालिसी में आइटी कंपनियों को भूमि आवंटन से लेकर आवश्यक स्वीकृतियों और उद्योग स्थापित करने से लेकर संचालन की प्रक्रिया निर्धारित की जाएगी। आइटी के क्षेत्र में स्टार्टअप के लिए राज्य सरकार अनुदान भी देगी और बैंक से लोन उपलब्ध कराने में मदद की जाएगी।

प्रत्येक बड़े शहर में आइटी पार्क होंगे तैयार

प्रदेश के प्रत्येक बड़े शहर में आइटी पार्क स्थापित किए जाएंगे और इस पालिसी से देश-विदेश की आइटी कंपनियों को यहां उद्योग स्थापित करने में मदद मिलेगी। अभी देश के बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे शहरों को आइटी हब के रूप में जाना जाता है। प्रदेश के शिक्षित युवा इन शहरों रहकर नौकरी करते हैं।

रोटरी इंदौर प्रोफेशनल्स क्लब के आयोजन

द सुपर शेफ इंदौर का प्रिलमनरी राउंड सम्पन्न

डेढ़ हजार लोगों ने दो दिन में प्रस्तुत किये सैकड़ों शाकाहारी व्यंजन

1. विभिन्न कैटेगरीज़ में 5 लाख रूपये तक के पुरस्कार मिलेंगे विजेताओं को

2.28 अप्रैल को होगा ग्रैंड फिनाले

3.लजीज व मनमोहक शाकाहारी रेसिपीज़ की सुगंध से महका आयोजन

इंदौर(अनिल चौधरी)। मानव सेवा और समाज हित के लिए काम करने वाले रोटरी इंदौर प्रोफेशनल्स क्लब द्वारा आयोजित द सुपर शेफ इंदौर के 2 दिवसीय प्रिलिमनरी राउंड्स का दौर आज समाप्त हुआ। कार्यक्रम की सफलता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रिलमनरी राउंड में डेढ़ हजार प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह से स्वादिष्ट व्यंजन प्रस्तुत किये। इसके पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन जल संसाधन मंत्री (राज्य) श्री तुलसी सिलावट, भाजपा विधायक श्री रमेश मेंदोला व भाजपा नेता श्री गोलू शुक्ला ने किया। इसमें होम मेकर से लेकर होम बेकर तक सभी उम्र वर्ग के लोग शामिल हुए। हर कैटेगरी से चुने गए फाइनलिस्ट के बीच अब 28 अप्रैल को प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले होगा। शहर में यह अपनी तरह के पहले और अनूठे आयोजन में लोगों ने शाकाहारी व्यंजनों की इतनी वेरायटी प्रस्तुत कीं कि निर्णायक भी प्रसन्न हो गए। प्रिलमनरी राउंड में (प्री कुक्ड फ़ूड) कैटेगरी के अंतर्गत व्यंजन बनाये गए थे।

इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए क्लब के प्रेसिडेंट श्री रिंकेश शाह ने बताया-% मुझे प्रसन्नता है कि रोटरी क्लब विविध अभियानों के जरिये हम लोगो के लिए सार्थक और रचनात्मक काम कर रहे हैं। सुपरशेफ का आयोजन इसका ही उदाहरण है जिसके जरिये हम स्वाद का महोत्सव मना रहे हैं। यह इंदौर शहर के साथ साथ रोटरी क्लब के हर सदस्य के लिए उत्साहवर्धन का विषय है। इस आयोजन के लिए अनुमान से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए और 1500 प्रतिभागियों ने बहुत उल्लास के साथ विभिन्न डिशेज प्रस्तुत कीं। शहर के 50,000 से भी अधिक घरों तक हमने इस आयोजन को पहुंचाने का लक्ष्य रखा है और दस लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हमने साथ जोड़ा है। प्रतियोगिता के अंतर्गत 5 अलग अलग कैटेगरीज़ में 5 लाख रूपये तक के शानदार पुरस्कार जीतने का अवसर मिलेगा। और 28 अप्रैल को ग्रैंड फिनाले में (लाइव कुकिंग) को जज किया जाएगा। प्रतियोगिता में साथ होंगे जाने माने सेलिब्रिटी शेफ और कई बड़ी हस्तियां भी। आयोजन में केवल शाकाहारी रेसिपीज़ को ही शामिल किया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि रोटरी इंटरनेशनल 118 वर्षों से वैश्विक स्तर पर बना एक नेटवर्क है जिससे करीब 1.4 मिलियन बिजनेस लीडर्स पूरे विश्व में जुड़े हुए हैं। इसका महत्वपूर्ण भाग है रोटरी इंदौर प्रोफेशनल्स, जो कि विगत कई वर्षों से समाज हित में विभिन्न अभियान आयोजित करता आया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला-बाल विकास जैसे कई बहुत आवश्यक मुद्दों पर इसने काम किया है। द सुपर शेफ, इंदौर के जरिये संस्थान का लक्ष्य लोगों को भोजन जैसी कला से जोड़ना तो है ही, परिवारों में रिश्तों के बॉन्ड को मजबूती देना भी है। इस आयोजन में मुख्य सहयोगियों के रूप में पुष्प मसाले, वंडरशेफ, महाकोश, श्रीधी एवं यलो डायमंड भी योगदान दे रहे हैं।

प्रतियोगिता की 5 कैटेगरीज में 7-14 वर्ष के बच्चों के लिए एक कैटेगरी, 15-21 के युवाओं के लिए एक कैटेगरी, 21 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों के लिए एक तथा 21 वर्ष से अधिक उम्र महिलाओं के लिए एक कैटेगरी रखी गई है। इसके साथ ही एक कैटेगरी विशेष रूप से फैमेली के लिए रखी गई है जिसमें 7 साल से अधिक उम्र वाले 3-5 लोग एक टीम के रूप में हिस्सा ले सकते हैं। प्रतियोगिता में प्योर वेज, मेन कोर्स, स्पेशिलिटी कोर्स, सलाद, स्नैक्स और डेजर्ट की श्रेणी में व्यंजन बनाने होंगे।

भारतीय स्टेट बैंक इंदौर का महिला सम्मेलन आयोजित

इंदौर(अनिल चौधरी)। भारतीय स्टेट बैंक इंदौर अंचल में दिनांक 23 अप्रैल को महिला सम्मेलन का आयोजन जाल सभा ग्रह में किया गया, जिसमें लगभग 300 से अधिक महिला साथियों ने भाग लिया ।

कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ जनक पलटा मैडम ने अध्यक्षता की । साथ ही कार्यक्रम में मंच को हमारे व्रत के अध्यक्ष श्री जीडी मिश्रा, महासचिव श्री संजीव सभलोक, उपमहासचिव इंदौर अंचल श्री सचिन गोखले (महासचिव 1 मई से), अध्यक्ष श्री देवेंद्र गंगराड़े ने भी सुशोभित किया । कार्यक्रम में विभिन्न अंचलों से आई महिला साथियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी तथा कार्यक्रम में समा बांध दिया, जिसकी भूरी भूरी प्रशंसा वहां उपस्थित अन्य महिला साथियों ने की । कार्यक्रम में इंदौर अंचल की पूरी टीम एवं महिला प्रतिनिधि सुश्री नेहा चौहान भी उपस्थित रही । विभिन्न वक्ताओं ने महिला सशक्तिकरण पर अपने अपने विचार रखें । महिला सम्मेलन का यह कार्यक्रम अपने आप में अनूठा एवं गरिमामयी रहा ।

करे कोई-भरे कोई, अफसरों की मुसीबत बनी घोटालेबाज

निलंबित जेल अधीक्षक (उज्जैन) उषाराज सेंट्रल और जिला जेल के अफसरों के लिए मुसीबत बन चुकी है। कभी उषाराज के साथ पदस्थ रह चुके अफसर ही उसके खिलाफ लिखा-पढ़ी कर रहे हैं। उषाराज के कारण इन अफसरों से भी सवाल-जवाब शुरू हो चुके हैं। 15 करोड़ के फर्जीवाड़े में लिप्त उषाराज को शुरुआत में सेंट्रल जेल भेजा था। वहां सामान की तलाशी में डायपर के अंदर से 50 हजार रुपये बरामद हो गए। अधीक्षक अलका सोनकर ने कोर्ट और जेल मुख्यालय को खबर कर उषाराज को जिला जेल भिजवा दिया। जेल बदली कर अफसरों ने राहत भरे दिन गुजारे ही थे कि यहां भी उषाराज के कब्जे से फोन बरामद हो गया। अब दोनों जेल के अफसरों से जवाब मांगे गए हैं। सेंट्रल जेल वालों से पूछा गया है कि उषाराज की तलाशी लिए बगैर कैसे जेल बदली, जबकि जिला जेल वालों पर जानकारी छुपाने का अंदेशा जताया गया है। उनसे पूछा कि इतनी देरी से क्यों बताया।

पार्टी गर्ल के फोन में पुलिसवालों के नंबर

अफसरों के नाम से तोड़बट्टा करवाने वाली मुस्कान ओटवानी पुलिस अफसरों के लिए सिरदर्द बन चुकी है। उसकी काल डिटेल डीसीपी कार्यालय में चर्चा का विषय बनी हुई है। कई पुलिसकर्मी मुस्कान के सीधे संपर्क में थे। मुस्कान और उसके दोस्त समीर ने गुमाश्ता लाइसेंस घोटाले में गिरफ्तार आलोक नेगी से ढाई लाख रुपये ले लिए थे। नेगी से कहा गया था कि वह बड़े अफसरों की करीबी है। उसके विरुद्ध दर्ज मामले में तुरंत जमानत दिलवा देगी। जोन-2 के एडिशनल डीसीपी राजेश व्यास ने गंभीर धाराएं

लगवा दी और मुस्कान व समीर पर ब्लैकमेलिंग का केस बनाया सो अलग। एडीसीपी ने मुस्कान की काल डिटेल निकाली तो यह देखकर चौंक गए कि कई पुलिसवाले मुस्कान के संपर्क में थे। जब मुस्कान से बातचीत का पूछा तो कहा पुलिसकर्मी पब में पार्टी करने के लिए बुलाते थे। मुस्कान पबों में जाने की शौकीन रही है।

इंदौर जिले के 2008 हितग्राहियों का हुआ गृह प्रवेश

इंदौर। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 24 अप्रैल को रीवा जिले से 4 लाख 50 हजार हितग्राहियों को मध्यप्रदेश में गृह प्रवेश कराया। इस अवसर पर इंदौर जिले में 2008 हितग्राहियों का भी गृह प्रवेश हुआ। वर्चुअली संपन्न हुए कार्यक्रम जिले में अनेक स्थानों आयोजित किए गए। यहां पर हितग्राहियों की मौजूदगी में प्रधानमंत्री वर्चुअल गृह प्रवेश कराया। प्रधानमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर गृह प्रवेश कराया।

मध्यप्रदेश के 4.50 लाख हितग्राहियों के आवास का सपना सोमवार को पूरा हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रीवा से सभी हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया। वर्चुअल हुए इस कार्यक्रम में इंदौर जिले के भी हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया गया। इंदौर के 2008 हितग्राहियों को उनके आवास की चाबी सौंपी गई। इसके लिए इंदौर में जनपद स्तरीय गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)